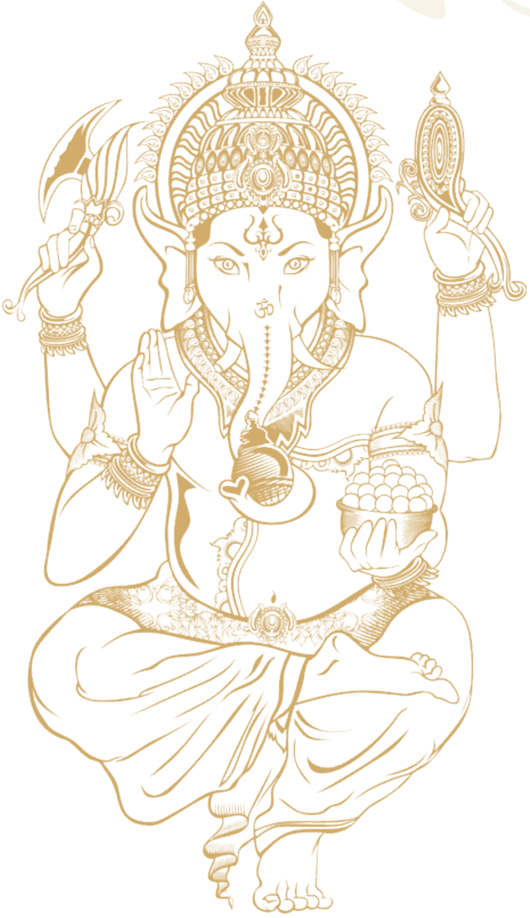

Diksha

01 Jan 1994

12:05 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121920006

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 31-01/01/1994**
दिन	: शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**: 00:05:00 घंटे**
इष्ट	: 41:20:41 घटी
स्थान	**: Jammu**
राज्य	: Jammu and Kashmi
देश	: India

अक्षांश	: 32:42:00 उत्तर
रेखांश	: 74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 23:34:28 घंटे
वेलान्तर	: -00:02:58 घंटे
साम्पातिक काल	: 06:15:14 घंटे
सूर्योदय	: 07:32:43 घंटे
सूर्यास्त	: 17:34:30 घंटे
दिनमान	: 10:01:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 16:19:48 धनु
लग्न के अंश	: 09:28:22 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**: कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**: आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: विष्कुम्भ
करण	: विष्टि
गण	: राक्षस
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: डू-डूंगरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:28:22	307:42:20	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			धनु	16:19:48	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	21:23:15	13:47:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल		अ	धनु	15:07:14	00:45:41	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	14:31:35	01:35:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	15:56:48	00:09:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	12:25:54	01:15:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
शनि			कुंभ	03:12:06	00:05:43	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चिक	08:40:53	00:06:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	08:40:53	00:06:26	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	27:47:19	00:03:30	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	26:40:28	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चिक	03:17:22	00:01:54	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	09:43:16	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:39

लग्न-चलित

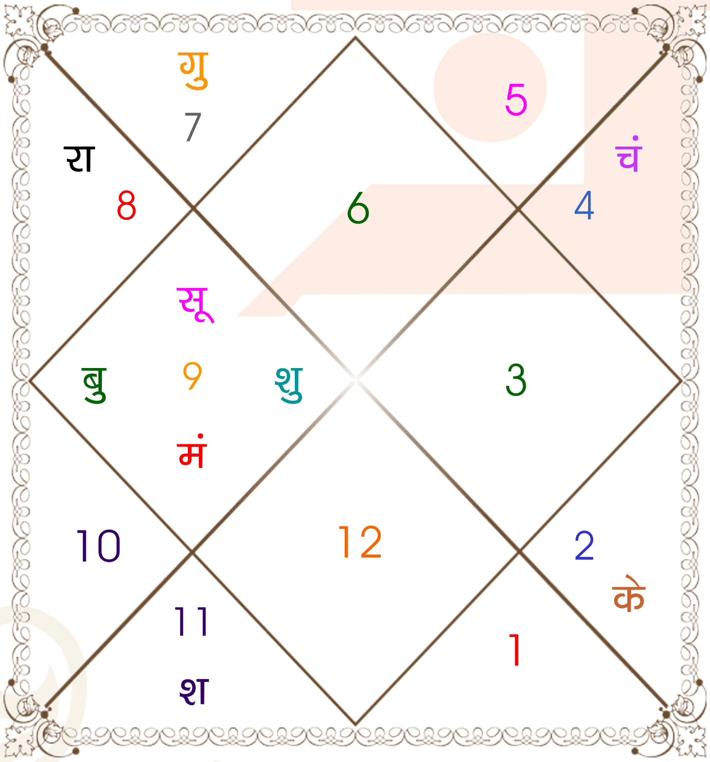

चन्द्र कुंडली

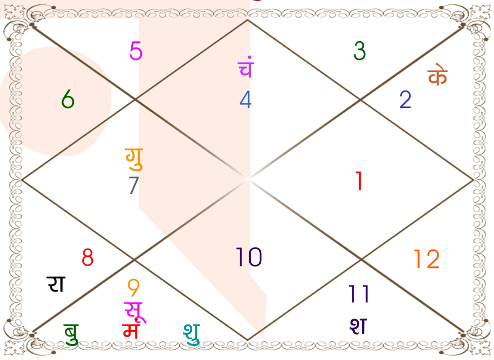

नवमांश कुंडली

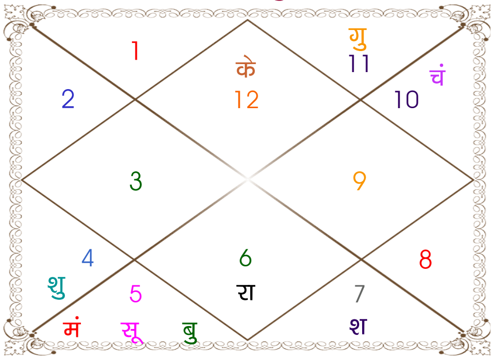

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 11 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
01/01/1994	**24/12/2004**	**25/12/2011**	**25/12/2031**	**25/12/2037**
24/12/2004	**25/12/2011**	**25/12/2031**	**25/12/2037**	**25/12/2047**
00/00/0000	केतु 22/05/2005	शुक्र 26/04/2015	सूर्य 13/04/2032	चंद्र 25/10/2038
01/01/1994	शुक्र 23/07/2006	सूर्य 25/04/2016	चंद्र 12/10/2032	मंगल 26/05/2039
शुक्र 20/03/1994	सूर्य 27/11/2006	चंद्र 25/12/2017	मंगल 17/02/2033	राहु 24/11/2040
सूर्य 24/01/1995	चंद्र 29/06/2007	मंगल 24/02/2019	राहु 12/01/2034	गुरु 26/03/2042
चंद्र 25/06/1996	मंगल 25/11/2007	राहु 23/02/2022	गुरु 31/10/2034	शनि 25/10/2043
मंगल 22/06/1997	राहु 12/12/2008	गुरु 24/10/2024	शनि 13/10/2035	बुध 26/03/2045
राहु 09/01/2000	गुरु 18/11/2009	शनि 25/12/2027	बुध 18/08/2036	केतु 25/10/2045
गुरु 16/04/2002	शनि 28/12/2010	बुध 25/10/2030	केतु 24/12/2036	शुक्र 25/06/2047
शनि 24/12/2004	बुध 25/12/2011	केतु 25/12/2031	शुक्र 25/12/2037	सूर्य 25/12/2047

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
25/12/2047	**25/12/2054**	**24/12/2072**	**24/12/2088**	**26/12/2107**
25/12/2054	**24/12/2072**	**24/12/2088**	**26/12/2107**	**00/00/0000**
मंगल 22/05/2048	राहु 06/09/2057	गुरु 12/02/2075	शनि 28/12/2091	बुध 24/05/2110
राहु 10/06/2049	गुरु 31/01/2060	शनि 25/08/2077	बुध 06/09/2094	केतु 21/05/2111
गुरु 17/05/2050	शनि 07/12/2062	बुध 01/12/2079	केतु 16/10/2095	शुक्र 02/01/2114
शनि 25/06/2051	बुध 25/06/2065	केतु 06/11/2080	शुक्र 16/12/2098	00/00/0000
बुध 22/06/2052	केतु 13/07/2066	शुक्र 08/07/2083	सूर्य 28/11/2099	00/00/0000
केतु 18/11/2052	शुक्र 13/07/2069	सूर्य 25/04/2084	चंद्र 29/06/2101	00/00/0000
शुक्र 18/01/2054	सूर्य 07/06/2070	चंद्र 25/08/2085	मंगल 08/08/2102	00/00/0000
सूर्य 26/05/2054	चंद्र 07/12/2071	मंगल 01/08/2086	राहु 14/06/2105	00/00/0000
चंद्र 25/12/2054	मंगल 24/12/2072	राहु 24/12/2088	गुरु 26/12/2107	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 11 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगी। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपनी मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकती हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगी। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपनी स्पन्दित आदतों को त्याग सकती हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेती है और कार्य के पीछे पड़ जाती है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्या है।

आप बुद्धिमान स्तर की प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करती हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करती हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकती हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकती हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप के प्यारे पति भगवान की देन प्रमाणित होंगे। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आपका अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगी।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगी। परन्तु आपके अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकती हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।